बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१८४ वा मंगळवार ४ फ़रवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

अंजलि दमानिया आज मंत्री धनंजय मुंडे के खिलाफ करेंगी आरोप का धमाका

भगवान गढ़ पर जा कर भी भ्रष्टाचार के सबूत पेश करेंगी

जमीर काज़ी । मुंबई:

मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे को लेकर राज्य सरकार को दिया गया मेरा चार दिन का अल्टीमेटम खत्म हो गया है। मंगलवार को उनके भ्रष्टाचार के और भी कई मामले उजागर करूंगी। इसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के पास उनका इस्तीफा लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा, ऐसा दावा सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने किया है।

उनके इस ऐलान के बाद अब पूरे राजनीतिक हलकों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वे कल कौन सा बड़ा खुलासा करेंगी। साथ ही, मुंडे का समर्थन करने वाले भगवान गढ़ के शास्त्री महाराज से खुद मिलकर वे उनके रोजाना के भ्रष्टाचार के सबूत भी पेश करेंगी।

फडणवीस और पवार पर लगाया कार्रवाई न करने का आरोप

दमानिया ने कहा, मैंने देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार से मिलकर सारे सबूत सौंपे, लेकिन फिर भी धनंजय मुंडे के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसकी वजह यह है कि मुंडे इन दोनों के बेहद करीबी हैं। जब तक उनका इस्तीफा नहीं होगा, संतोष देशमुख हत्याकांड में न्याय नहीं मिलेगा। मुंडे जैसे मंत्री हमें स्वीकार नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा,

अगर ऐसे लोग, जो आतंक और अत्याचार फैलाते हैं, वाल्मीकी कराड और कैलास फड़स जैसे लोगों को बढ़ावा देते हैं, उन्हें विधानसभा में आम जनता के लिए न्याय बनाने की जिम्मेदारी दी जाती है, तो यह हमें मंजूर नहीं।

कल होगा भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा खुलासा - अंजलि दमानिया

उन्होंने कहा,

कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैं भ्रष्टाचार को लेकर बहुत बड़ा खुलासा करूंगी। राख घोटाला, उनके खातों में आए काले धन, सरकारी कंपनियों से उन्हें हुए लाभ, उनकी जमीनों, आर्थिक लेन-देन, और वाल्मीकी कराड से उनके करीबी संबंधों से जुड़े ठोस सबूत पेश करूंगी।

मंत्री रहते हुए किस तरह से उन्होंने भ्रष्टाचार किया और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया, इसका भी पर्दाफाश किया जाएगा।

भगवान गढ़ से भी मुंडे के इस्तीफे की मांग करेंगी

दमानिया ने आगे कहा, मैं भगवान गढ़ जाकर भी ये सबूत पेश करूंगी और वहां के संतों से अपील करूंगी कि वे मुंडे को दिया गया समर्थन वापस लें। अगर वे देशमुख परिवार के सच में साथ हैं, तो उन्हें इस परिवार को न्याय दिलाने के लिए बाधाओं को हटाना होगा। सबसे बड़ी बाधा धनंजय मुंडे हैं। जब तक वे मंत्री पद पर हैं, न्याय नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भगवान गढ़ को अब खुद इस मामले में आगे आकर मुंडे के इस्तीफे की मांग करनी चाहिए। अगर ऐसा हुआ, तो पूरा महाराष्ट्र भगवान गढ़ का सम्मान करेगा।

अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि अंजलि दमानिया कल कौन से ठोस सबूत पेश करेंगी और इस राजनीतिक भूचाल का क्या असर होगा।

रूसी संसदीय प्रतिनिधिमंडल का दौरा, राज्यसभा की कार्यवाही की अवलोकना

रजनी ताई पाटील भी रहीं साथ।

नई दिल्ली, ३ जनवरी २०२५ (सोमवार) - रूस के संसदीय प्रतिनिधिमंडल की एक उच्चस्तरीय टीम, जिसका नेतृत्व फेडरल असेंबली की स्टेट डूमा के अध्यक्ष, माननीय व्याचेस्लाव वोलोदिन कर रहे हैं, आज राज्यसभा के अध्यक्ष से मुलाकात कि

यह महत्वपूर्ण बैठक सुबह बजे सम्पन्न हुई जिसमें दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, संसदीय सहयोग और आपसी मुद्दों पर चर्चा रही। इसके बाद, दोपहर रूसी संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया इस दौरान राज्यसभा की सदस्य, राजनी ताई पाटिल भी उपस्थित रही और प्रतिनिधिमंडल के साथ समन्वय में सहयोग किया। यह दौरा भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करने और संसदीय स्तर पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ख़ादमीन-ए-उम्मत सीरत क्विज़ नांदेड़ के अंतर्राज्यीय मुकाबलों में सर सैयद स्कूल बीड़ के रासिख अंस वासिक ने प्रथम पुरस्कार जीता

बीड़ (संवाददाता):

ख़ादमीन-ए-उम्मत ट्रस्ट नांदेड़, जो पूरे देश में छात्रों के लिए सीरत-उन-नबी पर क्विज़ प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए प्रसिद्ध है, ने हाल ही में लिखित और मौखिक क्विज़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया था। इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के ३६ और तेलंगाना के २२ जिलों के हजारों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

लिखित प्रतियोगिता में १३,००० छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया, जिनमें से ५२२ छात्र-छात्राएं मौखिक परीक्षा के लिए योग्य घोषित किए गए। इसी मौखिक परीक्षा के ग्रुप बी में बीड़ के रासिख अंस वासिक ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

रासिख अंस की उल्लेखनीय उपलब्धि यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि रासिख अंस ने लिखित क्विज़ प्रतियोगिता में भी अंतर्राज्यीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया था। उनकी शानदार सफलता की खास बात यह रही कि मौखिक क्विज़ प्रतियोगिता में उनकी प्रतिद्वंदी टीम में तीन छात्र मिलकर उत्तर दे रहे थे, जबकि रासिख अंस ने अकेले ही सभी सवालों के सही उत्तर देकर आयोजकों, दर्शकों, और दोनों राज्यों के छात्रों व शिक्षकों की वाहवाही बटोरी।

सम्मान और पुरस्कार

रासिख अंस की इस शानदार उपलब्धि पर उन्हें राज्य स्तर पर तीन ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया। उन्हें यह ट्रॉफी इसलिए दी गई क्योंकि उन्होंने अकेले तीन छात्रों की टीम का सामना किया। चौथी ट्रॉफी उन्हें लिखित प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीतने के लिए प्रदान की गई।

पुरस्कार स्वरूप गोल्ड मेडल, स्मार्ट वॉच और दो सर्टिफिकेट दिए गए। नौवीं कक्षा के इस होनहार छात्र ने बीड़ जिले और सर सैयद स्कूल का नाम रोशन किया, जिसके लिए उन्हें खूब बधाइयाँ दी जा रही हैं।

इस उपलब्धि पर संस्थान के सचिव शेख अब्दुल वकील सर, समस्त स्टाफ और ख़ादमीन-ए-उम्मत ट्रस्ट नांदेड़ के बीड़ जिला आयोजक सैयद मुमताज़ अली हाशमी सर ने रासिख अंस और उनके परिवार को हार्दिक बधाई दी।

इस शानदार सफलता पर 'रोज़नामा तामीर' ने भी शेख रासिख वासिक और उनके परिवार को हार्दिक बधाई दी।

बीड में भ्रष्टाचार की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

जांच समिति को एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपने के आदेश

बीड । ३ फरवरी २०२५:

बीड जिला योजना समिति के निधि वितरण में भेदभाव और अनियमितताओं के आरोप विपक्ष द्वारा लगाए गए थे। इस मामले में पालक मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार एक्शन मोड में आ गए हैं। जिला योजना समिति की बैठक के तुरंत बाद, वर्ष २०२३-२४ और २०२४-२५ की जिला वार्षिक योजना के तहत प्रशासकीय मंजूरी प्राप्त सभी कार्यों की व्यापक जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया है।

इस तीन सदस्यीय जांच समिति में:

उस्मानाबाद के उप-जिल्हाधिकारी संतोष भोर अध्यक्ष होंगे। अर्थ एवं सांख्यिकी संचालनालय के अपर संचालक एम.के. भांगे सदस्य होंगे। जालना जिला योजना अधिकारी सुनील सूर्यवंशी भी इस जांच दल में शामिल होंगे।

क्या होगी जांच?

यह जांच समिति मंजूर किए गए कार्यों की वर्तमान स्थिति, तकनीकी मंजूरी, कार्यारंभ आदेश और प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त परियोजनाओं के निधि वितरण की गहन जांच करेगी।एक सप्ताह में सौंपनी होगी रिपोर्ट राज्य की अवर सचिव सुषमा कांबळी ने निर्देश दिया है कि यह समिति एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।यह जांच बीड जिले में जिला योजना निधि के दुरुपयोग के आरोपों की सच्चाई सामने लाने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

सड़क दुर्घटना में मृत वरोळा तांडा के गन्ना मजदूरों के परिजनों को मुख्यमंत्री सहायता निधि से आर्थिक मदद दी जाए

मंत्री पंकजाताई मुंडे ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

मुंबई । दिनांक ०३:

शेवगांव स्थित साखर कारखाने (शुगर मिल) में गन्ना कटाई के लिए जाते समय हुए सड़क हादसे में वारोळा तांडा (ता. माजलगांव) के राठौड़ दंपति की मौत हो गई। इस घटना को लेकर राज्य की पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा पशुसंवर्धन मंत्री पंकजाताई मुंडे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री सहायता निधि से उनके परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग की है।

क्या लिखा है पत्र में?

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भेजे गए पत्र में ना. पंकजाताई मुंडे ने लिखा कि,

३० जनवरी की मध्यरात्रि लगभग २ से २:३० बजे के बीच पाथर्डी-शेवगांव मार्ग पर एक ट्रैक्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें अनिल पिराजी राठौड़ (उम्र ३५ वर्ष) और उनकी पत्नी आरती अनिल राठौड़ (उम्र ३३ वर्ष), निवासी वारोळा, आश्रमशाला तांडा, ता. माजलगांव, जिला बीड - दोनों गन्ना मजदूर पति-पत्नी की दर्दनाक मृत्यु हो गई।

परिवार पर टूटा आर्थिक संकट इस दुर्घटना के बाद परिवार में कोई भी कमाने वाला सदस्य नहीं बचा है। ऐसे में उनके वारिसों को जीविका चलाने के लिए आर्थिक सहायता की सख्त जरूरत है।

मंत्री पंकजा मुंडे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग की है कि कै. अनिल राठौड़ के परिजनों को मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता निधि से अधिकतम आर्थिक मदद प्रदान की जाए।

चंपावती महोत्सव उपमुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे महाकरंडक स्पर्धा का भव्य उद्घाटन

कलाकारों की शोभायात्राने चंपावती नगरी को आकर्षित किया

बीड (प्रतिनिधि):

रंगदेवता की सजी-धजी पालकी, ट्रैक्टर और बैलगाड़ियों पर सवार असंख्य कलाकारों की भव्य शोभायात्रा ने चंपावती नगरी का ध्यान आकर्षित किया। ३ फरवरी २०२४ को दोपहर के समय, बीड के इतिहास में पहली बार अखिल भारतीय नाट्य संमेलन के बाद चंपावती महोत्सव के माध्यम से कलाकारों की शोभायात्रा निकाली गई।

इस शोभायात्रा में पारंपरिक कलाकारों, बच्चों, वरिष्ठ कलाकारों और कला प्रेमियों ने भाग लिया। शिवतीर्थ पर वंदन करने के बाद, नटराज की पालकी को भव्य रूप से नाट्य मंदिर लाया गया। इसके बाद, नटराज की पूजा कर चंपावती महोत्सव उपमुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे महाकरंडक स्पर्धा का उद्घाटन किया गया।

यह महोत्सव महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और संसद रत्न सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के जन्मदिवस के अवसर पर बीड में आयोजित किया गया।

उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य उपस्थित

इस महोत्सव के उद्घाटन समारोह में व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलंत्री मुख्य अतिथि थे, जबकि उद्घाटन वरिष्ठ कलाकार भरत

अण्णा लोळगे द्वारा किया गया। इसके अलावा, दै. दिव्य लोकप्रभा के संपादक संतोष मानूरकर, दै. वास्तव के संपादक जितेंद्र सिरसाठ, कलाकार किशोर धुताडमाल, जतीन वाघामारे, सोनल नहार, संस्कार भारती के प्रमोद वझे और बाळू सौंदतिकर, सहित कई कलाकार उपस्थित रहे। कलाकारों को सम्मान और शुभकामनाएँ शिवसेना जिल्हाप्रमुख अनिलदादा जगताप, सचिन भैय्या मुळूक और स्वप्नील भैय्या गलधर ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान किया और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कलाकारों को शुभकामनाएँ दीं।३ फरवरी को मराठी माध्यम के ४वीं से १०वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही, एकपात्री अभिनय प्रतियोगिता भी संपन्न हुई।

चंपावती महोत्सव राजनीति से अलग, कला को समर्पित - शिवसेना नेताओं का बयान

बीड रंगभूमि को कला की समृद्ध परंपरा विरासत में मिली है। इस विरासत को बनाए रखने और कलाकारों को समर्थन देने का हमारा संकल्प दृढ़ है।

शिवसेना जिल्हाप्रमुख अनिलदादा जगताप, सचिन भैय्या मुळूक और स्वप्नील भैय्या गलधर ने कहा, हम चुनाव या राजनीति के लिए चंपावती महोत्सव आयोजित नहीं करते और कभी नहीं करेंगे। बीड में प्रतिभाशाली कलाकार आगे आते रहें और बीड जिला कलाकारों का गढ़ बना रहे, यही हमारी प्राथमिकता है। इसलिए, हम हर साल महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांतजी शिंदे के जन्मदिवस के अवसर पर यह महोत्सव आयोजित करते रहेंगे।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

ब्राह्मण महिला मंचद्वारा भव्य राज्यस्तरीय सम्मान समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

मातृशक्ति ही हमारी मूल शक्ति है, आज हर क्षेत्र में महिलाओं ने सफलता की ऊंचाइयां छू ली हैं – बाजीराव भैय्या धर्माधिकारी

औरंगाबाद (प्रतिनिधि):

मातृशक्ति ही भारत की मूल शक्ति है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच चुकी हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में सही प्रयास यदि खुद से शुरू किए जाएं, तो ही वास्तविक रूप में स्त्री-पुरुष समानता स्थापित हो सकती है, ऐसा प्रतिपादन परली के पूर्व नगराध्यक्ष और अमृत संस्था के सलाहकार बाजीराव भैय्या धर्माधिकारी ने किया।

ब्राह्मण महिला मंच द्वारा आयोजित यह भव्य राज्यस्तरीय सम्मान समारोह उत्साह और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर १०० प्रतिभाशाली महिलाओं को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

ब्राह्मण महिला मंच द्वारा ऐतिहासिक सम्मान समारोह

ब्राह्मण महिला मंच, 'घे भरारी' फेसबुक ग्रुप और 'यशस्वी उद्योजिका समूह' के संयुक्त तत्वावधान में यह राज्यस्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की कर्तृत्ववान महिलाओं को शॉल, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र के

रूप में राज्यस्तरीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मंच पर विशेष अतिथि के रूप में:

परली के पूर्व नगराध्यक्ष एवं अमृत संस्था के सलाहकार बाजीराव भैय्या धर्माधिकारी

परशुराम हिंदू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं अमृत संस्था के सलाहकार विश्वजीत देशपांडे (पुणे)

औरंगाबाद के पूर्व उपमहापौर संजय जोशी

भाजपा महिला मोर्चा की जिला महासचिव अमृता पालोदकर

ब्राह्मण महिला मंच की अध्यक्ष विजया कुलकर्णीइनकी गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस दौरान सेवा रत्न, समाज रत्न, शिक्षा रत्न, आरोग्य रत्न, कला रत्न और उद्योग रत्न जैसे विभिन्न पुरस्कार देकर कर्तृत्ववान महिलाओं को सम्मानित किया गया।

विशेष रूप से, इस समारोह में दो पुरुषों को भी समाज रत्न पुरस्कार से नवाजा गया – अनिल डोईफोडे (नांदेड़) और राजेंद्र पोद्दार (वसमत)।

महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहना चाहिए – बाजीराव धर्माधिकारीअपने भाषण में बाजीराव धर्माधिकारी ने कहा,

जिन्होंने स्त्री को 'माता' रूप में पहचाना, वे जिजाऊ के शिवबा (छत्रपति शिवाजी महाराज) बने, और जिन्होंने स्त्री को 'बहन' रूप में समझा, वे मुक्ताई के ज्ञानेश्वर बने। हम सभी केवल भाषणों में महिला सशक्तिकरण और स्त्री-पुरुष समानता पर बात करते हैं, लेकिन वास्तव में जब तक महिलाओं को घर से लेकर देश के प्रशासन तक में समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक यह समानता अधूरी ही रहेगी।

उन्होंने आगे कहा,

आज परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। पहले जो महिलाएं केवल रसोई और परिवार तक सीमित थीं, वे आज गांव, राज्य और देश का नेतृत्व कर रही हैं। आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा है जहां महिलाओं की सफलता की कहानियां न लिखी गई हों। ये सभी 'यशस्विनियां' (सफल महिलाएं) सफलता के नए शिखर छू रही हैं।विश्वजीत देशपांडे ने कहा कि अमृत संस्था के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को सहयोग मिलेगा और युवाओं, व्यवसायी महिलाओं तथा अन्य सभी को योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर संजय जोशी और अमृता पालोदकर ने भी प्रेरणादायक भाषण दिए।

ब्राह्मण महिला मंच की अध्यक्ष विजया कुलकर्णी ने संस्था का वार्षिक कार्य विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की विशेषताएं

सौ. राजश्री कुलकर्णी ने अपने शानदार मंच संचालन से सभी का मन मोह लिया।

सौ. मीनाताई झाल्टे ने आभार प्रदर्शन किया।सौ. उज्ज्वला ताई ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।इस कार्यक्रम की सफलता में सौ. विजया कुलकर्णी, सौ. सुषमा पाठक, सौ. मीना झाल्टे, सौ. प्रतिमा भाले, सौ. जयश्री चोब, सौ. उज्ज्वला पैठणे, सौ. राजश्री एरंडे, सौ. वंदना कुलकर्णी, दिशा स्वयंपाक घर की सौ. जयश्री डफळापुरकर, रांगोली रेखांकन की सौ. मनीषा खडके और कु. गिरिजा ठोसर सहित कई महिलाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस भव्य राज्यस्तरीय सम्मान समारोह ने न केवल महिला सशक्तिकरण को नई पहचान दी, बल्कि समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को और अधिक सशक्त करने का संदेश भी दिया।

एकनाथ शिंदे को संजय राउत और 'सामना' के खिलाफ मामला दर्ज कराना चाहिए: रामदास कदम

विशेष प्रतिनिधि । मुंबई:

महायुति सरकार में कोई मतभेद नहीं है, लेकिन कुछ लोग उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की छवि धूमिल करना चाहते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि शिंदे को संजय राउत और 'सामना' के खिलाफ अदालत में जाना चाहिए, ऐसा बयान शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रामदास कदम ने सोमवार को दिया।

संजय राउत के लेख पर रामदास कदम का पलटवार

'सामना' में एकनाथ शिंदे के खिलाफ लिखे गए लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए रामदास कदम ने कहा,

संजय राउत का मकसद शिवसेना और बीजेपी के बीच दरार डालना और शिंदे को अकेला करना है। लेकिन उनकी बातों पर कोई विश्वास नहीं करता।

कदम ने आगे कहा,

हमारी जानकारी के अनुसार, देवेंद्र फडणवीस वर्षा बंगले में रहने नहीं जा रहे हैं। उनके पास वहां पहले से ही दो बंगले हैं। वर्षा बंगले का वे केवल कार्यालय के रूप में उपयोग करेंगे। लेकिन संजय राउत यह अफवाह फैला रहे हैं कि शिंदे पर काला जादू हुआ है।

राउत को जवाब: काले जादू के 'बादशाह' कौन? रामदास कदम ने राउत के आरोपों का जवाब देते हुए कहा,

जब उद्धव ठाकरे ने वर्षा बंगला छोड़ा, तो वहां टोकरी भरकर नींबू मिले थे। इसलिए असली काले जादू के बादशाह उद्धव ठाकरे ही हैं।

दोनों शिवसेना के एक होने की संभावना खारिज

रामदास कदम ने यह भी स्पष्ट किया कि,

संजय शिरसाट ने दोनों शिवसेना को एक करने की जो बात कही, वह उनका व्यक्तिगत मत है। कोई भी शिवसैनिक, विधायक या सांसद इस विचार से सहमत नहीं है। आज एकनाथ शिंदे ने जिन विधायकों और सांसदों को जिताया है, उनके निर्वाचन क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में फंड दिया गया है। अगर उद्धव ठाकरे के पास सत्ता होती, तो वे ५-१० विधायक भी नहीं जिता पाते।

उन्होंने ठाकरे पर तीखा हमला करते हुए कहा,

उद्धव ठाकरे खुद को तानाशाह समझते हैं। उन्होंने शिवसेनाप्रमुख (बाला साहेब ठाकरे) की पीठ में छुरा घोंपा और उनके विचारों को कलंकित किया। बेईमानी से अपने ही विचारों के खिलाफ जाकर कांग्रेस के साथ गठबंधन किया और मुख्यमंत्री बने। इसलिए उनके साथ जाने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

रामदास कदम ने स्पष्ट रूप से कहा कि,

दोनों शिवसेना का एक होना लगभग असंभव है। यह काले पत्थर पर खींची गई रेखा की तरह स्थायी सच है। संजय शिरसाट को अचानक उद्धव ठाकरे के लिए प्रेम क्यों उमड़ पड़ा, इसका जवाब वही दे सकते हैं। लेकिन यह उनका व्यक्तिगत मत है, पार्टी का नहीं।

शेतकरी के गले पर चाकू रखकर डेढ़ लाख रुपये लूटे

अष्टी: चोरों ने घर में घुसकर शेतकरी (किसान) के गले पर चाकू रखकर १.५ लाख रुपये की नकदी लूट ली। यह घटना अष्टी तालुका के शेकडे वस्ती पर रविवार तड़के हुई। इस मामले में अमलनेर पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया गया है।

घटना का विवरण:

अष्टी तालुका के महिंदा गांव स्थित शेकडे वस्ती पर किसान मोहन शेकडे अपने परिवार के साथ रहते हैं। शनिवार रात को खाना खाने के बाद पूरा परिवार घर में सो गया था। रविवार तड़के करीब २ बजे, चार चोरों ने घर का दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया।

इस दौरान मोहन शेकडे की नींद खुल गई तो चोरों ने उनके गले पर चाकू रख दिया और शोर न करने के लिए उनका मुंह दबा दिया। अन्य चोरों ने घर की तलाशी लेकर लोहे की पेटी (धातु की तिजोरी) अपने कब्जे में ले ली। इसी दौरान, एक चोर ने घर में मौजूद वृद्ध महिला के गले से सोने की चेन तोड़ ली, लेकिन जब परिवार ने शोर मचाया, तो चोर चेन वहीं छोड़कर पेटी लेकर भाग गए। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और चोरों का पीछा किया, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर चोर फरार हो गए। थोड़ी दूरी पर पेटी बरामद हुई, लेकिन उसमें रखे १.५ लाख रुपये गायब थे। यह रकम खेती की बिक्री और पशु (बकरी और भैंस) की बिक्री से प्राप्त हुई थी।

पुलिस जांच और मामला दर्ज: घटना की सूचना मिलते ही अष्टी के उपअधीक्षक बाळकृष्ण हानपुडे, अमलनेर पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक भार्गव सपकाळ, पुलिस उपनिरीक्षक कृष्णा चव्हाण, और सहायक पुलिस उपनिरीक्षक परशुराम मंजुळे मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। श्वान दल (डॉग स्क्वॉड) और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद से छानबीन की गई।

मोहन शंकर शेकडे की शिकायत पर चार चोरों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा ३०९(४), ३(५) के तहत अमलनेर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक कृष्णा चव्हाण कर रहे हैं।

परभणी जिला अस्पताल के ईसीजी विभाग ने हासिल किया पहला स्थान, २४x७ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध

परभणी: (संवाददाता)महाराष्ट्र में स्वास्थ्य सेवाओं में परभणी जिला अस्पताल के ईसीजी विभाग ने पहला स्थान हासिल किया है। यहां बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) और आंतरिक रोगी विभाग (आईपीडी) में हर महीने ४,००० से ६,००० मरीजों का इलाज किया जाता है।

२४ घंटे उपलब्ध स्वास्थ्य सेवा

परभणी जिला अस्पताल में ईसीजी सेवाएं २४ घंटे उपलब्ध हैं। खासकर छाती में दर्द की शिकायत वाले मरीजों का बिना ईसीजी जांच किए इलाज नहीं किया जाता।

कोरोना महामारी में ईसीजी तकनीशियनों की अहम भूमिका

वर्ष २०२० और २०२१ में कोरोना महामारी के कठिन समय में भी अस्पताल के ईसीजी तकनीशियनों ने बेहतरीन सेवा प्रदान की। इसमें ईसीजी तकनीशियन सय्यद हकीक सय्यद खालेक उर्फ़ फतेह और अंकुश कुठोड़े की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

सय्यद हकीक सय्यद खालेक उर्फ़ फतेह ने ईसीजी तकनीशियन और सीटी स्कैन तकनीशियन, दोनों ही भूमिकाएं निभाईं। अंकुश कुठोड़े ने भी कोरोना काल में बिना किसी डर के मरीजों को ईसीजी सेवा प्रदान की। उनके साथ रोशन अहिरे और संगम ठमके ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कोरोना संकट में २४७ सेवा दी

कोरोना महामारी के दौरान सय्यद हकीक सय्यद खालेक और अंकुश कुठोड़े ने अपनी जान की परवाह किए बिना २४७ सेवा दी। वे कोरोना मरीजों के लिए हर समय तैयार रहते थे और जरूरत पड़ने पर एक फोन कॉल पर तुरंत अस्पताल पहुंच जाते थे।

केवल कोरोना मरीज ही नहीं, बल्कि अन्य जरूरतमंद मरीजों की भी इन्होंने मदद की। उनके इस अतुलनीय योगदान के लिए हम उन्हें धन्यवाद और दिल से सलाम करते हैं!

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com